an>

Title: Need to issue a white paper on ATM machines and cards manufactured and serviced by foreign agencies in the country.

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल (दमोह) ः बैंक देश की वित्तीय व्यवस्था के विशेष अंग हैं जो हज़ारों की संख्या में ऑटोमैटेड टेलर मशीन (ए.टी.एम.) का उपयोग कर उपभोक्ताओं को धनराशि आहरण करने के लिए अवसर प्रदान करते हैं लेकिन देश में बैंकों को नियंत्रित करने वाली संस्था भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) को यह जानकारी नहीं है कि ए.टी.एम. कहां बनते हैं और किस देश की तकनीक इसमें प्रयुक्त होती है। (यह जानकारी एक आर.टी.आई. से प्राप्त है) साथ ही इस प्रकार की तकनीक से बने धन आहरण करने वाले तथा भुगतान करने वाले अनेक कार्ड्स का उपयोग लाखों-करोड़ों लोग प्रतिदिन करते हैं जिसमें तकनीक या नियोक्ता के लाभ अंश के रूप में बड़ी मात्रा में धनराशि देश के बाहर जा रही है जिसका अनुमान एवं आंकलन सरकार के पास नहीं है।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि किसी कम्पनी के नाम के बगैर विदेशी तकनीक से बने ऐसे कार्डों एवं नियोक्ताओं के माध्यम से देश से बाहर जाने वाले धन पर एक श्वेत-पत्र सरकार जारी करे ताकि देशी तकनीक एवं नियोक्ताओं को प्रोत्साहित कर इस अपव्यय को रोका जा सके।